Subscriptions received upto 14th February, 1966 are:

National Defence Gold Bonds, 1980	9,917 kilogrammes
4½% National Defence Loan, 1968	Rs. 10.27 crores
4½% National Defence Loan, 1972	Rs. 15.81 crores

(c) The response on the whole has been satisfactory.

Night Shelters

297. Shri R. G. Dubey: Will the Minister of **Works, Housing and Urban Development** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that pavement dwellers taking shelters in the night shelters in Delhi are found to be ailing;

(b) whether it is also a fact that sometimes they suffer from infectious diseases; and

(c) the steps being taken to segregate such patients in the night shelters to avoid the spread of diseases?

The Minister of Works, Housing and Urban Development (Shri Mehr Chand Khanna): (a) and (b). Yes; but the number of such persons is reported to be very small.

(c) Persons suffering from infectious diseases are not admitted in the night shelters but are sent to Hospitals. Other sick persons are either sent to the Hindu Rao Hospital or admitted in the sick-ward of the Kashmere Gate night-shelter where 8 beds have been provided for the purpose. Instructions have been given to the Hindu Rao Hospital to put up tents, if necessary, to accommodate sick persons.

मंत्रियों द्वारा बिजली की खपत

298. श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री प्र० चं० बरुआ :

क्या **निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय मन्त्रिमंडल के सदस्यों के निवास स्थानों पर अक्तूबर, 1965 से जनवरी, 1966 की अवधि में प्रति मास बिजली की कितनी खपत हुई ;

(ख) क्या प्रेजीडेंट एस्टेट के अहाते में रहने वाले मन्त्रियों द्वारा बिजली की खपत का ब्यौरा दिखाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखा जायेगा ;

(ग) क्या आपातकाल को दृष्टि में रखते हुए मन्त्रियों के निवास स्थानों पर बिजली की खपत में कुछ कमी हुई है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना): (क) और (ख). सूचना इकट्ठा की जा रही है और यथा समय सभा पटल पर रख दी जायेगी।

(ग) और (घ). बिजली की खपत जलवायु की स्थिति तथा समय समय पर विभिन्न कारकों के आधार पर व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर निर्भर करती है ; फिर भी, बिजली और पानी की खपत पर खर्च की सीमा स्वेच्छा से 2,400 रुपये प्रति वर्ष तक है तथा इसमें कोई भी वृद्धि सम्बन्धित मन्त्री द्वारा पूरी की जाती है।

सैनिकों के लिए जमीन के प्लाटों का आरक्षण

299. श्री भागवत झा आजाद :
श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री सुबोध हंसदा :